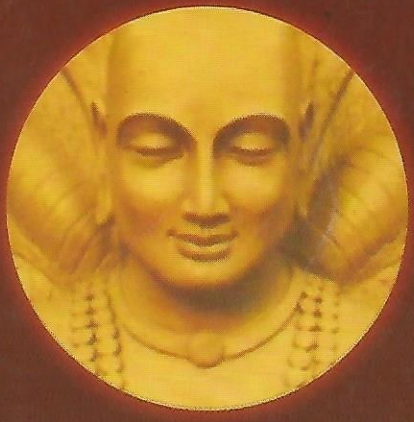

महर्षिपतञ्जलिमुनिप्रणीतम्

पातञ्जलयोगदर्शनम्

व्यासभाष्य-संवलितम्
तच्च
योगसिद्धि-हिन्दीव्याख्योपेतम्

व्याख्याकार
डॉ. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

140

महर्षि-पतञ्जलिमुनिप्रणीतम्

पातञ्जलयोगदर्शनम्

'व्यासभाष्य'-संवलितम्

तच्च

'योगसिद्धि'-हिन्दीव्याख्योपेतम्

University Department of Yoga RU
No/PGDY/...216
Library

व्याख्याकार:

प्रो० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य

एम० ए० डी० फिल्०

पूर्व कुलपति

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

DROLIA PUSTAK BHANDAR
Yoga, Ayurveda, Religious Books & Satkarma Acupressure evam Magnate Goods
09458949381, 01334-260614,09837300687
Near Bharat Mata Mandir, Haridwar-249410 (U.K.) INDIA
E-mail : drolia_books@yahoo.co.in
Website : www.droliabooks.com

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी

विषयानुक्रमणी

भूमिका (१–४३)

प्रथम समाधिपाद
(कुल ५१ सूत्र)

सूत्रक्रम	विषय	पृष्ठाङ्क
१	योगशास्त्र का आरम्भ	१
२-३	योग का लक्षण एवं फल	९
४-११	चित्तवृत्तियाँ	२१
१२	योग के उपाय	५०
१३-१४	अभ्यास	५३
१५-१६	वैराग्य	५६
१७	सम्प्रज्ञात समाधि	६२
१८-२०	असम्प्रज्ञात समाधि	६६
२१-२२	समाधिसिद्धि की आसन्नता	७५
२३	ईश्वर-प्रणिधान	७८
२४-२९	ईश्वर-निरूपण	८०
३०-३२	योग के अन्तराय	९९
३३-४०	चित्त के परिकर्म	११०
४१-४६	चतुर्विधसमापत्तिवर्णन	१२४
४७	निर्विचारासमापत्ति का उत्कर्ष	१४५
४८-४९	ऋतम्भराप्रज्ञा	१४७
५०	ऋतम्भराप्रज्ञाजन्यसंस्कार	१५१
५१	निरोधसमाधि	१५३

द्वितीय साधनपाद
(कुल ५५ सूत्र)

सूत्रक्रम	विषय	पृष्ठाङ्क
१-२	क्रियायोग	१५६
३-४	पञ्चक्लेशवर्णन	१६१
५	अविद्यालक्षण	१६८
६	अस्मितालक्षण	१७४

७	रागलक्षण	१७६
८	द्वेषलक्षण	१७७
९	अभिनिवेशलक्षण	१७७
१०-११	क्लेशनिवारणस्वरूप	१८०
१२	कर्माशयभेद	१८३
१३-१४	कर्मफलसिद्धान्त	१८६
१५	दुःखवाद का विवेचन	१९९
१६	हेयनिरूपण	२११
१७	हेयहेतुनिरूपण	२१२
१८-१९	दृश्यस्वरूपनिरूपण	२१७
२०-२१	द्रष्टृस्वरूपनिरूपण	२३१
२२	दृश्य की नित्यता का वर्णन	२३७
२३-२४	प्रकृतिपुरुषसंयोग का वर्णन	२४०
२५	हान का स्वरूप	२५१
२६-२८	हानोपाय	२५३
२९-३४	योग के आठों अङ्गों का वर्णन	२६५
३५-३९	यमों की सिद्धियाँ	२८४
४०-४५	नियमों की सिद्धियाँ	२८९
४६-४८	आसन और उसकी सिद्धि	२९६
४९-५३	प्राणायाम और उसकी सिद्धि	३०१
५४-५५	प्रत्याहार और उसकी सिद्धि	३१४

तृतीय विभूतिपाद
(कुल ५५ सूत्र)

सूत्रक्रम	विषय	पृष्ठाङ्क
१-४	धारणाध्यानसमाधिवर्णन	३२०
५-८	संयम का अन्तरङ्गत्व	३२५
९-१२	त्रिविध चित्तपरिणाम	३३१
१३	धर्मलक्षणावस्थापरिणाम	३३९
१४	धर्मी का स्वरूप	३५७
१५	परिणामक्रम	३६४
१६-४२	संयम की सिद्धियाँ	३७०
४३	महाविदेहा वृत्ति	४४८

४४-४६	भूतजय और उसकी सिद्धियाँ	४५०
४७-४८	इन्द्रियजय और उसकी सिद्धियाँ	४६१
४९-५०	सत्त्वपुरुषान्यथाख्याति और सिद्धियाँ	४६५
५१	देवताओं का निमन्त्रण	४७२
५२-५४	विवेकजज्ञाननिरूपण	४७७
५५	कैवल्यनिर्वचन	४८८

चतुर्थ कैवल्यपाद
(कुल ३४ सूत्र)

सूत्रक्रम	विषय	पृष्ठाङ्क
१	पञ्चविधसिद्धियाँ	४९१
२-३	जात्यन्तरपरिणाम	४९३
४-६	निर्माणचित्त	४९९
७	चतुर्विध कर्म	५०५
८-१२	वासना	५०९
१३-१७	बाह्य पदार्थों की सत्ता	५३१
१८-२४	पुरुष में चित्तद्रष्टृत्व	५४८
२५-२८	जीवन्मुक्त की मनोवृत्ति	५७५
२९-३१	धर्ममेघसमाधि	५८२
३२-३३	परिणामक्रमसमाप्ति	५८८
३४	कैवल्यस्वरूपव्यवस्था	५९७

विषयानुकूल प्रकाशन

- **कुण्डलिनी-शक्ति** । (योग-तान्त्रिक साधना-प्रसङ्ग)। श्री अरुणकुमार शर्मा
- **घेरण्डसंहिता** । भाषा-टीका। श्री राघवेन्द्र शर्मा
- **घेरण्डसंहिता** । भाषा-टीका सहित। श्री श्रीनिवास शर्मा
- **चिन्तन के उन्मेष** । (लाइट आन मेडीटेशन)। डॉ. हरिकृष्णशास्त्री दातार
- **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । 'व्यासभाष्य' सह 'योगसिद्धि' हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव
- **योगदर्शनम्** । श्रीकृष्णवल्लभाचार्य स्वामिनारायण-भाष्यसहितम्
- **योग एवं यौगिक चिकित्सा** । प्रो. रामहर्ष सिंह
- **योगसारसंग्रह** । विज्ञानभिक्षुप्रणीत । आंग्लानुवाद। पं. गङ्गानाथ झा
- **योग सिद्धान्त एवं साधना** । डॉ. हरिकृष्णशास्त्री दातार
- **शिवसंहिता** । 'राघवीय' भाषानुवाद सहित । राघवेन्द्र शर्मा
- **शिवस्वरोदय (ज्ञानस्वरोदय सहित)** । भाषा-टीका सहित । पं. अभय कात्यायन
- **षट्चक्रनिरूपणम्** । पूर्णानन्दयतिविरचित । शिवोक्तपादुकापञ्चक एवं हिन्दीव्याख्यासहित । श्रीभारतभूषण
- **हठयोगप्रदीपिका** । हिन्दी व्याख्या सहित । स्वामी द्वारकादासशास्त्री
- **The Gheranda Samhita :** Text with its Transliteration and English Commentary by Rai Bahadur Srisa Chandra Vasu. Ed. With Notes by J. L. Gupta
- **The Foundations of Contemporary Yoga and Yoga Therapy :** Prof. R.H. Singh
- **Yoga Sutra of Patanjali :** Text, Transliteration and English Translation. Sri G.L. Verma
- **The Shiv Samhita :** Text with its Transliteration and English Commentary by Rai Bahadur S.C. Vasu.Ed. with Notes by J.L. Gupta
- **The Hathayogapradipika :** Text with its Transliteration and English Commentary by Pancham Sinha. Ed. with Notes by J.L. Gupta
- **Body-Mind-Spirit Integrative Medicine in Ayurveda, Yoga and Nature Cure :** Prof. R. H. Singh

योगवासिष्ठः (महारामायणम्)

भाषानुवादकारः	भूमिकालेखकः संशोधकश्च	सम्पादकौ
पं. श्रीकृष्णपन्तशास्त्री	प्रो. मदनमोहन अग्रवाल	पं. श्रीकृष्णपन्तशास्त्री पं. श्रीमूलशङ्करशास्त्री

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी 221001

चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस
नई दिल्ली 110002